See Class 10 Science on DIKSHA at
https://diksha.gov.in/play/content/do_312795716240072704110498?referrer=utm_source%3Ddiksha_mobile%26utm_content%3Ddo_312796455245733888120257%26utm_campaign%3Dshare_content

Get DIKSHA app from:
https://play.google.com/store/apps/details?id=in.gov.diksha.app&referrer=utm_source%3Df692739567e6f2956a952258b4f4b33ade1761ca%26utm_campaign%3Dshare_app

For class X Physics , the given instructions must be followed..

Link for class X physics :

1.Install "Diksha" app from Playstore.

2. Tap open after the app is installed.

3.Tap allow, to provide access to the following data to use the app at its best.

4. Open the app and login as student.

5. Select medium, class and subject.

6. Open the second chapter of physics (Chapter 13{a} - "Magnetic effect of current") in the link.

7. Go through the "explanation" content in the video tutorial.

8. In the same , there are few assignments given which you can solve as Long answers questions , short answers and multiple choice questions.

Note : Refer other videos for more detail study.

See Class 10 Science on DIKSHA at
https://diksha.gov.in/play/content/do_3127957375454167041120442?referrer=utm_source%3Ddiksha_mobile%26utm_content%3Ddo_31279645524573388812025 7%26utm_campaign%3Dshare_content

Get DIKSHA app from:
https://play.google.com/store/apps/details?id=in.gov.diksha.app&referrer=utm_source%3Df692739567e6f2956a952258b4f4b33ade1761ca%26utm_campaign%3Dshare_app

For class X Physics , the given instructions must be followed..

Link for class X physics :

1.Install "Diksha" app from Playstore.

2. Tap open after the app is installed.

3.Tap allow, to provide access to the following data to use the app at its best.

4. Open the app and login as student.

5. Select medium, class and subject.

6. Open the second chapter of physics (Chapter 13{b} -- "Electric Motor") in the link.

7. Go through the "explanation" content in the video tutorial.

8. In the same , there are few assignments given which you can solve as Long answers questions , short answers and multiple choice questions.

Note : Refer other videos for more detail study.

See Class 10 Science on DIKSHA at https://diksha.gov.in/play/collection/do_312796455245733888120257?referrer=utm_source%3Ddiksha_mobile%26utm_content%3Ddo_312796455245733888120257%26utm_campaign%3Dshare_content

Get DIKSHA app from: https://play.google.com/store/apps/details?id=in.gov.diksha.app&referrer=utm_source%3D818d960ce58d9c72132154cba770acd2d2a672d3%26utm_campaign%3Dshare_app

👆 link for class 10 chemistry tutorial.

Instructions for the students:

1. Download the diksha app from the play store.
2. Open the app and login as student.
3. Select the medium in which you want to study.
4. Now select the class 10.
5. Select the subject.. Science.
6. Open the second chapter of chemistry "Acids,Bases and Salts".
7. Go through the explanation content in the video.
8.Try to solve long answers,short answers, very short answers and mcqs given in the question bank.

★ 15:27

Scanned by CamScanner

See Class 10 Science on DIKSHA at

https://diksha.gov.in/play/content/do_312795715165372416111738?referrer=utm_source%3Ddiksha_mobile%26utm_content%3Ddo_312796455245733888120257%26utm_campaign%3Dshare_content
Get DIKSHA app from:

https://play.google.com/store/apps/details?id=in.gov.diksha.app&referrer=utm_source%3D7139114c12c8b2003b1735f6bbbf9571941ffc1a%26utm_campaign%3Dshare_app

👆link for the class 10 biology tutorial.
Instructions for the students:
1. Download the diksha app from the play store.
2. Open the app and login as student.
3. Select the medium in which you want to study.
4. Now select the class 10.
5. Select the subject.. Science.
6. Open the first chapter of biology..."Life Processes"
7. Go through the explanation content of
a."Respiration in plants and in animals "
b."Transportation in plants and animals" in the video.

See Class 10 Science on DIKSHA at
https://diksha.gov.in/play/content/do_31279863528462745617288?referrer=utm_source%3Ddiksha_mobile%26utm_content%3Ddo_312796455245733888120257%26utm_campaign%3Dshare_content

Get DIKSHA app from:
https://play.google.com/store/apps/details?id=in.gov.diksha.app&referrer=utm_source%3D7139114c12c8b2003b1735f6bbbf9571941ffc1a%26utm_campaign%3Dshare_app

👆link for the class 10 biology assignment.
Instructions for the students.
1. Try to understand and learn the mode of respiration and transportation in different animals and plants.
2. Practice the diagram of human respiratory system and heart.
4. Try to do the questions of the related topics in your note book.

Scanned by CamScanner

CBSE Class–10 Hindi
NCERT Solutions
Kshitij Chapter - 11
Rambriksh Benipuri

1. खेतीबारी से जुड़े गृहस्थ बालगोबिन भगत अपनी किन चारित्रिक विशेषताओं के कारण साधु कहलाते थे?

उत्तर:- बालगोबिन भगत एक गृहस्थ थे परन्तु उनमें साधु कहलाने वाले गुण भी थे -

(1)वे कबीर के आर्दशों पर चलते थे, उन्हीं के गीत गाते थे। वे शरीर को नश्वर तथा आत्मा को परमात्मा का अंश मानते थे।

(2)वे कभी झूठ नहीं बोलते थे, खरा व्यवहार रखते थे।

(3) किसी से भी सीधी बात करने में संकोच नहीं करते थे,न किसी से झगड़ा करते थे।

(4) किसी की चीज़ न छूते थे न ही बिना पूछे व्यवहार में लाते थे। वे किसी दूसरे की चीज़ नहीं लेते थे।

(5) उनके खेत में जो कुछ पैदा होता सबसे पहले उसे एक कबीरपंथी मठ में ले जाते और उसमें से जो हिस्सा 'प्रसाद' रूप में वापस मिलता, वे उसी से गुज़ारा करते।

(6) उनमें लालच बिल्कुल भी नहीं था, इस प्रकार उन्होंने अपना सब कुछ ईश्वर को समर्पित कर दिया था।

2. भगत की पुत्रवधू उन्हें अकेले क्यों नहीं छोड़ना चाहती थी?

उत्तर:- भगत की पुत्रवधू उन्हें अकेले छोड़कर इसलिए नहीं जाना चाहती थी क्योंकि पुत्र की मृत्यु के बाद भगत के बुढ़ापे का एकमात्र सहारा वहीं थी। पुत्रवधू को इस बात की चिंता थी कि यदि वह भी चली गयी, तो भगत के लिए भोजन कौन बनाएगा। यदि भगत बीमार हो गए, तो उनकी सेवा-शुश्रूषा कौन करेगा। उसके चले जाने के बाद भगत की देखभाल करने वाला और कोई नहीं था।

3. भगत ने अपने बेटे की मृत्यु पर अपनी भावनाएँ किस तरह व्यक्त कीं?

उत्तर:- बेटे की मृत्यु पर भगत ने पुत्र के शरीर को एक चटाई पर लिटा दिया, उसे सफेद चादर से ढक दिया तथा कबीर के भक्ति गीत गाकर वे अपनी भावनाएँ व्यक्त करने लगे। उनके अनुसार उसकी आत्मा परमात्मा के पास ऐसे चली गई मानो कोई विरहनि अपने प्रेमी से जा मिली हो। उन दोनों के मिलन से बड़ा आनंद और कुछ नहीं हो सकता। इस प्रकार भगत ने शरीर की नश्वरता और आत्मा की अमरता का भाव व्यक्त किया।

4. भगत के व्यक्तित्व और उनकी वेशभूषा का अपने शब्दों में चित्र प्रस्तुत कीजिए।

उत्तर:- बालगोबिन भगत का व्यक्तित्व :

भगतजी गृहस्थ होते हुए भी सीधे-सादे सरल व्यक्ति थे। उनका अचार-व्यवहार इतना पवित्र और आदर्शपूर्ण था कि वे गृहस्थ होते हुए भी वास्तव में मन से संन्यासी थे। वे अपने किसी काम के लिए दूसरों को कष्ट नहीं देना चाहते थे। बिना अनुमति के किसी की वस्तु को हाथ नहीं लगाते थे। वे कभी झूठ नहीं बोलते थे और खरा व्यवहार करते थे। कबीर के आदर्शों का पालन करते थे। वे अलौकिक गायक थे, कबीर के पद उनके कंठ से निकलकर मानो सजीव हो उठते थे। आत्मा परमात्मा पर उनका अटल विश्वास था। भगतजी

के वैराग्य तथा निःस्वार्थ व्यक्तित्व का परिचय इस बात से भी मिलता है कि अपने बेटे के श्राद्ध की अवधि पूरी होते ही अपने पुत्रवधू को उसके् पिता के घर भेज दिया तथा उसका दूसरा विवाह करने का भी आदेश दिया।

बालगोबिन भगत की वेशभूषा :
बालगोबिन भगत मँझोले कद के गोरेचिट्टे आदमी थे। उम्र साठ से ऊपर की होगी। बाल पक गए थे। लंबी दाढी या जटाजूट तो नहीं रखते थे, किंतु उनका चेहरा हमेशा सफ़ेद बालों से जगमग रहता था। कपड़े बिलकुल कम पहनते थे। कमर में एक लंगोटी-मात्र और सिर पर कबीरपंथियों की-सी कनफटी टोपी। जब जाड़ा आता, एक काली कमली ऊपर से ओढ़े रहते। मस्तक पर हमेशा चमकता हुआ रामानंदी चंदन, जो नाक के एक छोर से औरतों के टीके की तरह शुरू होता और गले में तुलसी की जड़ों की एक बेडौल माला बाँधे रहते थे।

---

5. बालगोबिन भगत की दिनचर्या लोगों के अचरज का कारण क्यों थी?
उत्तर:- बालगोबिन भगत की दिनचर्या लोगों के अचरज का कारण इसलिए बन गई थी क्योंकि वे जीवन के सिद्धांतों और आदर्शों का अत्यंत गहराई से पालन करते हुए उसे अपने आचरण में उतारते थे। वृद्ध होते हुए भी उनकी स्फूर्ति में कोई कमी नहीं थी। सर्दी के मौसम में, भरे बादलों वाले भादों की आधी रात में वे भोर में सबसे पहले उठकर गाँव से दो मील दूर बहती गंगा में स्नान करने जाते थे, खेत में अकेले खेती करते हुए कबीर के गीतों में तल्लीन रहते थे और विपरीत परिस्थिति होने के बाद भी उनकी दिनचर्या में कभी कोई परिवर्तन नहीं आया। एक वृद्ध की अपने कार्य के प्रति सजगता और लगाव देखकर लोग दंग रह जाते थे।

---

6. पाठ के आधार पर बालगोबिन भगत के मधुर गायन की विशेषताएँ लिखिए।
उत्तर:- बालगोबिन भगत के गीतों में एक विशेष प्रकार का आकर्षण था। कबीर के पद उनके कंठ से निकलकर सजीव हो उठते थे। खेतों में जब वे गाना गाते तो स्त्रियों के होंठ बिना गुनगुनाए नहीं रह पाते थे। गर्मियों की शाम में उनके गीत वातावरण में शीतलता भर देते थे। उनके गीतों में जादुई प्रभाव था, संध्या समय जब वे अपनी मंडली समेत गाने बैठते तो उनके द्वारा गाए पदों को उनकी मंडली दोहराया करती थी, भगत के स्वर के आरोह के साथ श्रोताओं का मन भी ऊपर उठता चला जाता और लोग अपने तन-मन की सुध-बुध खोकर संगीत की स्वर लहरी में तल्लीन हो जाते थे।

---

7. कुछ मार्मिक प्रसंगों के आधार पर यह दिखाई देता है कि बालगोबिन भगत प्रचलित सामाजिक मान्यताओं को नहीं मानते थे। पाठ के आधार पर उन प्रसंगों का उल्लेख कीजिए।
उत्तर:- बालगोबिन भगत प्रचलित सामाजिक मान्यताओं को नहीं मानते थे, ये बातें निम्न उदाहरणो द्वारा पता चलती है -
1) बालगोबिन भगत के पुत्र की मृत्यु हो गई थी किंतु उन्होंने सामाजिक परंपराओं के अनुरूप अपने पुत्र का क्रिया-कर्म नहीं किया।
2) बेटे की मृत्यु के समय सामान्य लोगों की तरह शोक करने की बजाए भगत ने उसकी शैय्या के समक्ष गीत गाकर उत्सव मनाया ।
3) बेटे के क्रिया-कर्म में भी उन्होंने सामाजिक रीति-रिवाजों की परवाह न करते हुए अपनी पुत्रवधू से ही दाह संस्कार संपन्न कराया।
4) समाज में विधवा विवाह का प्रचलन न होने के बावजूद उन्होंने अपनी पुत्रवधू के भाई को बुलाकर उसकी दूसरी शादी करने को कहा।
5) अन्य साधुओं की तरह भिक्षा माँगकर खाने के विरोधी थे।

8. धान की रोपाई के समय समूचे माहौल को भगत की स्वर लहरियाँ किस तरह चमत्कृत कर देती थीं ? उस माहौल का शब्द-चित्र प्रस्तुत कीजिए।
उत्तर:- आषाढ़ की रिमझिम फुहारों के बीच खेतों में धान की रोपाई चल रही थी। बादलों से घिरे आसमान में, ठंडी हवाओं के चलने के साथ-साथ बालगोबिन भगत के कंठ से निकला मधुर संगीत वहाँ खेतों में काम कर रहे लोगों के मन में मधुर झंकार उत्पन्न कर देता था। स्वर के आरोह के साथ एक-एक शब्द जैसे स्वर्ग की ओर भेजा जा रहा हो। उनकी मधुर वाणी को सुनते ही लोग झूमने लगते थे, स्त्रियाँ स्वयं को रोक नहीं पाती थी तथा अपने आप उनके होंठ काँपकर गुनगुनाते लगते थे। हलवाहों के पैर गीत की ताल के साथ उठने लगते थे। रोपाई करने वाले लोगों की उँगलियाँ गीत की स्वरलहरी के अनुरुप एक विशेष क्रम से चलने लगती थी बालगोबिन भगत के गाने से संपूर्ण सृष्टि मिठास में खो जाती थी।

• रचना और अभिव्यक्ति

9. पाठ के आधार पर बताएँ कि बालगोबिन भगत की कबीर पर श्रद्धा किन-किन रूपों में प्रकट हुई है?
उत्तर:- बालगोबिन भगत ने कबीर की शिक्षाओं का पालन करते हुए अपनी श्रद्धा इसप्रकार प्रकट की है -
(1) कबीर गृहस्थ होकर भी सांसारिक मोह-माया से मुक्त थे। उसी प्रकार बाल गोबिन भगत ने भी गृहस्थ जीवन में बँधकर भी साधु के समान जीवन व्यतीत किया।
(2) कबीर के अनुसार मृत्यु के पश्चात् जीवात्मा का परमात्मा से मिलन होता है। बेटे की मृत्यु के बाद बाल गोबिन भगत ने भी यही कहा था। उन्होंने बेटे की मृत्यु पर शोक मानने की बजाए आनंद मनाने के लिए कहा था।
(3) भगतजी ने अपनी फसलों को भी ईश्वर की सम्पत्ति माना। वे फसलों को कबीरमठ में अर्पित करके प्रसाद रूप में पाये अनाज का ही उपभोग करते थे। कबीर के विचार भी कुछ इस प्रकार के ही थे -
"साई इतना दीजिए, जामे कुटुंब समाए।
मैं भी भूखा ना रहूँ साधु ना भूखा जाए।
(4) पहनावे में भी वे कबीर का ही अनुसरण करते थे।
(5) कबीर गाँव-गाँव, गली-गली घूमकर गाना गाते थे, भजन गाते थे। बाल गोबिन भगत भी इससे प्रभावित हुए। कबीर के पदों को वे गाते फिरते थे।
(6) बालगोबिन भगत प्रचलित सामाजिक मान्यताओं को कबीर की तरह ही नहीं मानते थे।

10. आपकी दृष्टि में भगत की कबीर पर अगाध श्रद्धा के क्या कारण रहे होंगे?
उत्तर:- बालगोबिन भगत कबीर पर अगाध श्रद्धा रखते थे क्योंकि कबीर ने सामाजिक कुप्रथाओं का विरोध कर समाज को एक नई दृष्टि प्रदान की, उन्होंने मूर्तिपूजा का खंडन किया तथा समाज में व्याप्त ऊँच-नीच के भेद-भाव का विरोध कर समाज को एक नई दिशा की ओर अग्रसर किया। उन्हें कबीर के विचारों और आडम्बर रहित सादे जीवन में सच्चाई नज़र आई होगी यही सच्चाई उनके ह्रदय में बैठ गई होगी। कबीर की इन्हीं विशेषताओं ने बालगोबिन भगत के मन को प्रभावित किया होगा।

11. गाँव का सामाजिक-सांस्कृतिक परिवेश आषाढ़ चढ़ते ही उल्लास से क्यों भर जाता है?
उत्तर:- भारत कृषि प्रधान देश है। यहाँ के गाँव कृषि पर आधारित हैं। वर्षा भी आषाढ़ मास में ही शुरू होती है। आषाढ़ की रिमझिम बारिश में भगत जी अपने मधुर गीतों को गुनगुनाकर खेती करते हैं। उनके इन गीतों के प्रभाव से संपूर्ण सृष्टि रम जाती है, स्त्रियाँ भी इससे प्रभावित होकर गाने लगती हैं। बच्चे भी वर्षा का आनन्द लेते हैं। किसान भी अच्छी फसल की आशा में हर्ष से भर उठते हैं। इस लिए गाँव का परिवेश उल्लास से भर जाता है।

---

12. "ऊपर की तसवीर से यह नहीं माना जाए कि बालगोबिन भगत साधु थे।" क्या 'साधु' की पहचान पहनावे के आधार पर की जानी चाहिए? आप किनआधारों पर यह सुनिश्चित करेंगे कि अमुक व्यक्ति 'साधु' है?
उत्तर:- मेरे अनुसार एक साधु की पहचान उसके पहनावे के साथ-साथ उसके आचार-व्यवहार तथा इसकी जीवन प्रणाली पर भी आधारित होती है। सच्चा साधु हमेशा, मोह माया, आडम्बरयुक्त जीवन, लालच आदि दुर्गुणों से दूर रहता है। साधु हमेशा दूसरों की सहायता करता है। साधु का जीवन सादगीपूर्ण तथा सात्विक होता है। उसके मन में केवल ईश्वर के प्रति सच्ची भक्ति होती है। बालगोबिन का जीवन इसका प्रमाण है।

---

13. मोह और प्रेम में अंतर होता है। भगत के जीवन की किस घटना के आधार पर इस कथन का सच सिद्ध करेंगे?
उत्तर:- मोह और प्रेम में निश्चित अंतर होता है मोह में मनुष्य केवल अपने स्वार्थ की चिंता करता है, प्रेम में वह अपने प्रियजनों का भी हित देखता है। भगत को अपने पुत्र तथा अपनी पुत्रवधू से अगाध प्रेम था परन्तु उसके इस प्रेम ने सीमा को पार कर कभी मोह का रुप धारण नहीं किया। दूसरी तरफ़ वह चाहते तो मोह वश अपनी पुत्रवधू को अपने पास रोक सकते थे परन्तु उन्होंने अपनी पुत्रवधू को ज़बरदस्ती उसके भाई के साथ भेजकर उसके दूसरे विवाह का निर्णय किया।इस घटना द्वारा उनका प्रेम प्रकट होता है। बालगोबिन भगत ने सच्चे प्रेम का परिचय देकर अपने पुत्र और पुत्रवधू की खुशी को ही उचित माना।।

- **भाषा-अध्ययन**

14. इस पाठ में आए कोई दस क्रिया विशेषण छाँटकर लिखिए और उसके भेद भी बताइए
उत्तर:- (1) धीरे-धीरे - धीरे-धीरे स्वर ऊँचा होने लगा। (रीतिवाचक क्रियाविशेषण)
(2) जब-जब - वह जब-जब सामने आता। (कालवाचक क्रियाविशेषण)
(3) थोडा - थोडा बुखार आने लगा। (परिमाणवाचक क्रियाविशेषण)
(4)उस दिन- उस दिन भी संध्या में गीत गाए। (कालवाचक क्रियाविशेषण)
(5) बिल्कुल कम- बिल्कुल कम कपड़े पहनते थे। (परिमाणवाचक क्रियाविशेषण)
(6) सवेरे ही - इन दिनों सवेरे ही उठते थे। (कालवाचक क्रियाविशेषण)
(7) हरवर्ष - हरवर्ष गंगा स्नान करने के लिए जाते। (कालवाचक क्रियाविशेषण)
(8) दिन-दिन - वे दिन-दिन छिजने लगे। (कालवाचक क्रियाविशेषण)
(9) हँसकर -हँसकर टाल देते थे। (रीतिवाचक क्रियाविशेषण)
(10) जमीन पर - जमीन पर ही आसन जमाए गीत गाए चले जा रहे हैं। (स्थानवाचक क्रियाविशेषण)

Material downloaded from myCBSEguide.com.

11 रामवृक्ष बेनीपुरी

रामवृक्ष बेनीपुरी का जन्म बिहार के मुजफ़्फ़रपुर ज़िले के बेनीपुर गाँव में सन् 1899 में हुआ। माता-पिता का निधन बचपन में ही हो जाने के कारण जीवन के आरंभिक वर्ष अभावों-कठिनाइयों और संघर्षों में बीते। दसवीं तक की शिक्षा प्राप्त करने के बाद वे सन् 1920 में राष्ट्रीय स्वाधीनता आंदोलन से सक्रिय रूप से जुड़ गए। कई बार जेल भी गए। उनका देहावसान सन् 1968 में हुआ।

15 वर्ष की अवस्था में बेनीपुरी जी की रचनाएँ पत्र-पत्रिकाओं में छपने लगीं। वे बेहद प्रतिभाशाली पत्रकार थे। उन्होंने अनेक दैनिक, साप्ताहिक एवं मासिक पत्र-पत्रिकाओं का संपादन किया, जिनमें **तरुण भारत, किसान मित्र, बालक, युवक, योगी, जनता, जनवाणी** और **नयी धारा** उल्लेखनीय हैं।

गद्य की विविध विधाओं में उनके लेखन को व्यापक प्रतिष्ठा मिली। उनका पूरा साहित्य **बेनीपुरी रचनावली** के आठ खंडों में प्रकाशित है। उनकी रचना-यात्रा के महत्त्वपूर्ण पड़ाव हैं–**पतितों के देश में** (उपन्यास); **चिता के फूल** (कहानी); **अंबपाली** (नाटक); **माटी की मूरतें** (रेखाचित्र); **पैरों में पंख बाँधकर** (यात्रा-वृत्तांत); **ज़ंजीरें और दीवारें** (संस्मरण) आदि। उनकी रचनाओं में स्वाधीनता की चेतना, मनुष्यता की चिंता और इतिहास की युगानुरूप व्याख्या है। विशिष्ट शैलीकार होने के कारण उन्हें 'कलम का जादूगर' कहा जाता है।

© NCERT not to be republished

बालगोबिन भगत *रेखाचित्र के माध्यम से लेखक ने एक ऐसे विलक्षण चरित्र का उद्घाटन किया है जो मनुष्यता, लोक संस्कृति और सामूहिक चेतना का प्रतीक है। वेशभूषा या बाह्य अनुष्ठानों से कोई संन्यासी नहीं होता, संन्यास का आधार जीवन के मानवीय सरोकार होते हैं। बालगोबिन भगत इसी आधार पर लेखक को संन्यासी लगते हैं। यह पाठ सामाजिक रूढ़ियों पर भी प्रहार करता है। इस रेखाचित्र की एक विशेषता यह है कि बालगोबिन भगत के माध्यम से ग्रामीण जीवन की सजीव झाँकी देखने को मिलती है।*

© NCERT not to be republished

बालगोबिन भगत

बालगोबिन भगत मँझोले कद के गोरे-चिट्टे आदमी थे। साठ से ऊपर के ही होंगे। बाल पक गए थे। लंबी दाढ़ी या जटाजूट तो नहीं रखते थे, किंतु हमेशा उनका चेहरा सफ़ेद बालों से ही जगमग किए रहता। कपड़े बिलकुल कम पहनते। कमर में एक लंगोटी-मात्र और सिर में कबीरपंथियों की-सी कनफटी टोपी। जब जाड़ा आता, एक काली कमली ऊपर से ओढ़े रहते। मस्तक पर हमेशा चमकता हुआ रामानंदी चंदन, जो नाक के एक छोर से ही, औरतों के टीके की तरह, शुरू होता। गले में तुलसी की जड़ों की एक बेडौल माला बाँधे रहते।

ऊपर की तसवीर से यह नहीं माना जाए कि बालगोबिन भगत साधु थे। नहीं, बिलकुल गृहस्थ! उनकी गृहिणी की तो मुझे याद नहीं, उनके बेटे और पतोहू को तो मैंने देखा था। थोड़ी खेतीबारी भी थी, एक अच्छा साफ़-सुथरा मकान भी था।

किंतु, खेतीबारी करते, परिवार रखते भी, बालगोबिन भगत साधु थे-साधु की सब परिभाषाओं में खरे उतरनेवाले। कबीर को 'साहब' मानते थे, उन्हीं के गीतों को गाते, उन्हीं के आदेशों पर चलते। कभी झूठ नहीं बोलते, खरा व्यवहार रखते। किसी से भी दो-टूक बात करने में संकोच नहीं करते, न किसी से खामखाह झगड़ा मोल लेते। किसी की चीज़ नहीं छूते, न बिना पूछे व्यवहार में लाते। इस नियम को कभी-कभी इतनी बारीकी तक ले जाते कि लोगों को कुतूहल होता!-कभी वह दूसरे के खेत में शौच के लिए भी नहीं बैठते! वह गृहस्थ थे; लेकिन उनकी सब चीज़ 'साहब' की थी। जो कुछ खेत में पैदा होता, सिर पर लादकर पहले उसे साहब के दरबार में ले जाते-जो उनके घर से चार कोस दूर पर था-एक कबीरपंथी मठ से मतलब! वह दरबार में 'भेंट' रूप रख लिया जाकर 'प्रसाद' रूप में जो उन्हें मिलता, उसे घर लाते और उसी से गुज़र चलाते!

इन सबके ऊपर, मैं तो मुग्ध था उनके मधुर गान पर-जो सदा-सर्वदा ही सुनने को मिलते। कबीर के वे सीधे-सादे पद, जो उनके कंठ से निकलकर सजीव हो उठते।

आसाढ़ की रिमझिम है। समूचा गाँव खेतों में उतर पड़ा है। कहीं हल चल रहे हैं; कहीं रोपनी हो रही है। धान के पानी-भरे खेतों में बच्चे उछल रहे हैं। औरतें कलेवा लेकर मेंड़

© NCERT not to be republished

पर बैठी हैं। आसमान बादल से घिरा; धूप का नाम नहीं। ठंडी पुरवाई चल रही। ऐसे ही समय आपके कानों में एक स्वर-तरंग झंकार-सी कर उठी। यह क्या है—यह कौन है! यह पूछना न पड़ेगा। बालगोबिन भगत समूचा शरीर कीचड़ में लिथड़े, अपने खेत में रोपनी कर रहे हैं। उनकी अँगुली एक-एक धान के पौधे को, पंक्तिबद्ध, खेत में बिठा रही है। उनका कंठ एक-एक शब्द को संगीत के जीने पर चढ़ाकर कुछ को ऊपर, स्वर्ग की ओर भेज रहा है और कुछ को इस पृथ्वी की मिट्टी पर खड़े लोगों के कानों की ओर! बच्चे खेलते हुए झूम उठते हैं; मेंड़ पर खड़ी औरतों के होंठ काँप उठते हैं, वे गुनगुनाने लगती हैं; हलवाहों के पैर ताल से उठने लगते हैं; रोपनी करनेवालों की अँगुलियाँ एक अजीब क्रम से चलने लगती हैं! बालगोबिन भगत का यह संगीत है या जादू!

भादो की वह अँधेरी अधरतिया। अभी, थोड़ी ही देर पहले मुसलधार वर्षा खत्म हुई है। बादलों की गरज, बिजली की तड़प में आपने कुछ नहीं सुना हो, किंतु अब झिल्ली की झंकार या दादुरों की टर्र-टर्र बालगोबिन भगत के संगीत को अपने कोलाहल में डुबो नहीं सकतीं। उनकी खँजड़ी डिमक-डिमक बज रही है और वे गा रहे हैं—"गोदी में पियवा, चमक उठे सखिया, चिहुँक उठे ना!" हाँ, पिया तो गोद में ही है, किंतु वह समझती है, वह अकेली है, चमक उठती है, चिहुँक उठती है। उसी भरे-बादलों वाले भादो की आधी रात में उनका यह गाना अँधेरे में अकस्मात कौंध उठने वाली बिजली की तरह किसे न चौंका देता? अरे, अब सारा संसार निस्तब्धता में सोया है, बालगोबिन भगत का संगीत जाग रहा है, जगा रहा है!—तेरी गठरी में लागा चोर, मुसाफ़िर जाग ज़रा!

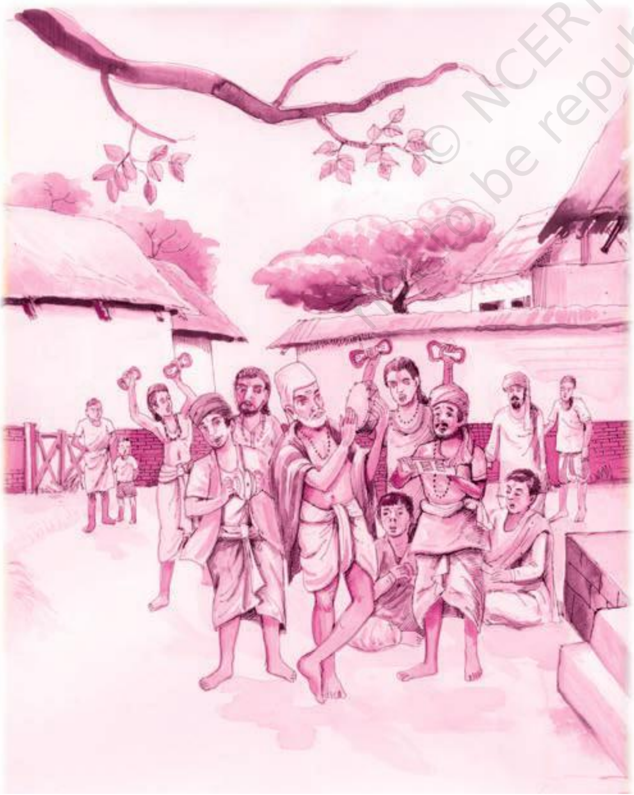

कातिक आया नहीं कि बालगोबिन भगत की प्रभातियाँ शुरू हुईं, जो फागुन तक चला करतीं। इन दिनों वह सबेरे ही

© NCERT not to be republished

उठते। न जाने किस वक्त जगकर वह नदी-स्नान को जाते–गाँव से दो मील दूर! वहाँ से नहा-धोकर लौटते और गाँव के बाहर ही, पोखरे के ऊँचे भिंडे पर, अपनी खँजड़ी लेकर जा बैठते और अपने गाने टेरने लगते। मैं शुरू से ही देर तक सोनेवाला हूँ, किंतु, एक दिन, माघ की उस दाँत किटकिटानेवाली भोर में भी, उनका संगीत मुझे पोखरे पर ले गया था। अभी आसमान के तारों के दीपक बुझे नहीं थे। हाँ, पूरब में लोही लग गई थी जिसकी लालिमा को शुक्र तारा और बढ़ा रहा था। खेत, बगीचा, घर–सब पर कुहासा छा रहा था। सारा वातावरण अजीब रहस्य से आवृत मालूम पड़ता था। उस रहस्यमय वातावरण में एक कुश की चटाई पर पूरब मुँह, काली कमली ओढ़े, बालगोबिन भगत अपनी खँजड़ी लिए बैठे थे। उनके मुँह से शब्दों का ताँता लगा था, उनकी अँगुलियाँ खँजड़ी पर लगातार चल रही थीं। गाते-गाते इतने मस्त हो जाते, इतने सुरूर में आते, उत्तेजित हो उठते कि मालूम होता, अब खड़े हो जाएँगे। कमली तो बार-बार सिर से नीचे सरक जाती। मैं जाड़े से कँपकँपा रहा था, किंतु तारे की छाँव में भी उनके मस्तक के श्रमबिंदु, जब-तब, चमक ही पड़ते।

गर्मियों में उनकी 'संझा' कितनी उमसभरी शाम को न शीतल करती! अपने घर के आँगन में आसन जमा बैठते। गाँव के उनके कुछ प्रेमी भी जुट जाते। खँजड़ियों और करतालों की भरमार हो जाती। एक पद बालगोबिन भगत कह जाते, उनकी प्रेमी-मंडली उसे दुहराती, तिहराती। धीरे-धीरे स्वर ऊँचा होने लगता–एक निश्चित ताल, एक निश्चित गति से। उस ताल-स्वर के चढ़ाव के साथ श्रोताओं के मन भी ऊपर उठने लगते। धीरे-धीरे मन तन पर हावी हो जाता। होते-होते, एक क्षण ऐसा आता कि बीच में खँजड़ी लिए बालगोबिन भगत नाच रहे हैं और उनके साथ ही सबके तन और मन नृत्यशील हो उठे हैं। सारा आँगन नृत्य और संगीत से ओतप्रोत है!

© NCERT not to be republished

बालगोबिन भगत की संगीत-साधना का चरम उत्कर्ष उस दिन देखा गया जिस दिन उनका बेटा मरा। इकलौता बेटा था वह! कुछ सुस्त और बोदा-सा था, किंतु इसी कारण बालगोबिन भगत उसे और भी मानते। उनकी समझ में ऐसे आदमियों पर ही ज़्यादा नज़र रखनी चाहिए या प्यार करना चाहिए, क्योंकि ये निगरानी और मुहब्बत के ज़्यादा हकदार होते हैं। बड़ी साध से उसकी शादी कराई थी, पतोहू बड़ी ही सुभग और सुशील मिली थी। घर की पूरी प्रबंधिका बनकर भगत को बहुत कुछ दुनियादारी से निवृत्त कर दिया था उसने। उनका बेटा बीमार है, इसकी खबर रखने की लोगों को कहाँ फ़ुरसत! किंतु मौत तो अपनी ओर सबका ध्यान खींचकर ही रहती है। हमने सुना, बालगोबिन भगत का बेटा मर गया। कुतूहलवश उनके घर गया। देखकर दंग रह गया। बेटे को आँगन में एक चटाई पर लिटाकर एक सफ़ेद कपड़े से ढाँक रखा है। वह कुछ फूल तो हमेशा ही रोपते रहते, उन फूलों में से कुछ तोड़कर उस पर बिखरा दिए हैं; फूल और तुलसीदल भी। सिरहाने एक चिराग जला

रखा है। और, उसके सामने ज़मीन पर ही आसन जमाए गीत गाए चले जा रहे हैं! वही पुराना स्वर, वही पुरानी तल्लीनता। घर में पतोहू रो रही है जिसे गाँव की स्त्रियाँ चुप कराने की कोशिश कर रही हैं। किंतु, बालगोबिन भगत गाए जा रहे हैं! हाँ, गाते-गाते कभी-कभी पतोहू के नज़दीक भी जाते और उसे रोने के बदले उत्सव मनाने को कहते। आत्मा परमात्मा के पास चली गई, विरहिनी अपने प्रेमी से जा मिली, भला इससे बढ़कर आनंद की कौन बात? मैं कभी-कभी सोचता, यह पागल तो नहीं हो गए। किंतु नहीं, वह जो कुछ कह रहे थे उसमें उनका विश्वास बोल रहा था—वह चरम विश्वास जो हमेशा ही मृत्यु पर विजयी होता आया है।

बेटे के क्रिया-कर्म में तूल नहीं किया; पतोहू से ही आग दिलाई उसकी। किंतु ज्योंही श्राद्ध की अवधि पूरी हो गई, पतोहू के भाई को बुलाकर उसके साथ कर दिया, यह आदेश देते हुए कि इसकी दूसरी शादी कर देना। इधर पतोहू रो-रोकर कहती—मैं चली जाऊँगी तो बुढ़ापे में कौन आपके लिए भोजन बनाएगा, बीमार पड़े, तो कौन एक चुल्लू पानी भी देगा? मैं पैर पड़ती हूँ, मुझे अपने चरणों से अलग नहीं कीजिए! लेकिन भगत का निर्णय अटल था। तू जा, नहीं तो मैं ही इस घर को छोड़कर चल दूँगा—यह थी उनकी आखिरी दलील और इस दलील के आगे बेचारी की क्या चलती?

बालगोबिन भगत की मौत उन्हीं के अनुरूप हुई। वह हर वर्ष गंगा-स्नान करने जाते। स्नान पर उतनी आस्था नहीं रखते, जितना संत-समागम और लोक-दर्शन पर। पैदल ही जाते। करीब तीस कोस पर गंगा थी। साधु को संबल लेने का क्या हक? और, गृहस्थ किसी से भिक्षा क्यों माँगे? अत:, घर से खाकर चलते, तो फिर घर पर ही लौटकर खाते। रास्ते भर खँजड़ी बजाते, गाते जहाँ प्यास लगती, पानी पी लेते। चार-पाँच दिन आने-जाने में लगते; किंतु इस लंबे उपवास में भी वही मस्ती! अब बुढ़ापा आ गया था, किंतु टेक वही जवानीवाली। इस बार लौटे तो तबीयत कुछ सुस्त थी। खाने-पीने के बाद भी तबीयत नहीं सुधरी, थोड़ा बुखार आने लगा। किंतु नेम-व्रत तो छोड़नेवाले नहीं थे। वही दोनों जून गीत, स्नानध्यान, खेतीबारी देखना। दिन-दिन छीजने लगे। लोगों ने नहाने-धोने से मना किया, आराम करने को कहा। किंतु, हँसकर टाल देते रहे। उस दिन भी संध्या में गीत गाए, किंतु मालूम होता जैसे तागा टूट गया हो, माला का एक-एक दाना बिखरा हुआ। भोर में लोगों ने गीत नहीं सुना, जाकर देखा तो बालगोबिन भगत नहीं रहे सिर्फ़ उनका पंजर पड़ा है!

© NCERT not to be republished

प्रश्न-अभ्यास

1. खेतीबारी से जुड़े गृहस्थ बालगोबिन भगत अपनी किन चारित्रिक विशेषताओं के कारण साधु कहलाते थे?
2. भगत की पुत्रवधू उन्हें अकेले क्यों नहीं छोड़ना चाहती थी?
3. भगत ने अपने बेटे की मृत्यु पर अपनी भावनाएँ किस तरह व्यक्त कीं?
4. भगत के व्यक्तित्व और उनकी वेशभूषा का अपने शब्दों में चित्र प्रस्तुत कीजिए।
5. बालगोबिन भगत की दिनचर्या लोगों के अचरज का कारण क्यों थी?
6. पाठ के आधार पर बालगोबिन भगत के मधुर गायन की विशेषताएँ लिखिए।
7. कुछ मार्मिक प्रसंगों के आधार पर यह दिखाई देता है कि बालगोबिन भगत प्रचलित सामाजिक मान्यताओं को नहीं मानते थे। पाठ के आधार पर उन प्रसंगों का उल्लेख कीजिए।
8. धान की रोपाई के समय समूचे माहौल को भगत की स्वर लहरियाँ किस तरह चमत्कृत कर देती थीं? उस माहौल का शब्द-चित्र प्रस्तुत कीजिए।

© NCERT not to be republished

रचना और अभिव्यक्ति

9. पाठ के आधार पर बताएँ कि बालगोबिन भगत की कबीर पर श्रद्धा किन-किन रूपों में प्रकट हुई है?
10. आपकी दृष्टि में भगत की कबीर पर अगाध श्रद्धा के क्या कारण रहे होंगे?
11. गाँव का सामाजिक-सांस्कृतिक परिवेश आषाढ़ चढ़ते ही उल्लास से क्यों भर जाता है?
12. "ऊपर की तसवीर से यह नहीं माना जाए कि बालगोबिन भगत साधु थे।" क्या 'साधु' की पहचान पहनावे के आधार पर की जानी चाहिए? आप किन आधारों पर यह सुनिश्चित करेंगे कि अमुक व्यक्ति 'साधु' है?
13. मोह और प्रेम में अंतर होता है। भगत के जीवन की किस घटना के आधार पर इस कथन का सच सिद्ध करेंगे?

भाषा-अध्ययन

14. इस पाठ में आए कोई दस क्रियाविशेषण छाँटकर लिखिए और उनके भेद भी बताइए।

पाठेतर सक्रियता

- पाठ में ऋतुओं के बहुत ही सुंदर शब्द-चित्र उकेरे गए हैं। बदलते हुए मौसम को दर्शाते हुए चित्र/फ़ोटो का संग्रह कर एक अलबम तैयार कीजिए।

- पाठ में आषाढ़, भादो, माघ आदि में विक्रम संवत कलैंडर के मासों के नाम आए हैं। यह कलैंडर किस माह से आरंभ होता है? महीनों की सूची तैयार कीजिए।
- कार्तिक के आते ही भगत 'प्रभाती' गाया करते थे। प्रभाती प्रातःकाल गाए जाने वाले गीतों को कहते हैं। प्रभाती गायन का संकलन कीजिए और उसकी संगीतमय प्रस्तुति कीजिए।
- इस पाठ में जो ग्राम्य संस्कृति की झलक मिलती है वह आपके आसपास के वातावरण से कैसे भिन्न है?

शब्द-संपदा

मँझोला	–	न बहुत बड़ा न बहुत छोटा
कमली	–	कंबल
पतोहू	–	पुत्रवधू / पुत्र की स्त्री
रोपनी	–	धान की रोपाई
कलेवा	–	सवेरे का जलपान
पुरवाई	–	पूरब की ओर से बहने वाली हवा
अधरतिया	–	आधी रात
खँजड़ी	–	ढफली के ढंग का परंतु आकार में उससे छोटा एक वाद्य यंत्र
निस्तब्धता	–	सन्नाटा
लोही	–	प्रातःकाल की लालिमा
कुहासा	–	कोहरा
आवृत	–	ढका हुआ, आच्छादित
कुश	–	एक प्रकार की नुकीली घास
बोदा	–	कम बुद्धि वाला
संबल	–	सहारा

यह भी जानें

प्रभातियाँ मुख्य रूप से बच्चों को जगाने के लिए गाई जाती हैं। प्रभाती में सूर्योदय से कुछ समय पूर्व से लेकर कुछ समय बाद तक का वर्णन होता है। प्रभातियों का भावक्षेत्र व्यापक और यथार्थ के अधिक निकट होता है। प्रभातियों या जागरण गीतों में केवल सुकोमल भावनाएँ ही नहीं वरन् वीरता, साहस और उत्साह की बातें भी कही जाती हैं। कुछ कवियों ने प्रभातियों में राष्ट्रीय चेतना और विकास की भावना को पिरोने का प्रयास किया है।

© NCERT not to be republished

श्री शंभूदयाल सक्सेना द्वारा रचित एक प्रभाती–

पलकें, खोलो, रैन सिरानी।
बाबा चले खेत को हल ले सखियाँ भरतीं पानी।।
बहुएँ घर-घर छाछ बिलोतीं गातीं गीत मथानी।
चरखे के संग गुन-गुन करती सूत कातती नानी।।
मंगल गाती चील चिरैया आस्मान फहरानी।
रोम-रोम में रमी लाडली जीवन ज्योत सुहानी।।
आलस छोड़ो, उठो न सुखदे! मैं तब मोल बिकानी।।
पलकें खोलो हे कल्याणी।।

© NCERT not to be republished

Class-10
Subject: IT

Do the following questions in your copy

1. What is entrepreneurship?
2. List five characteristics of an entrepreneur.
3. Point out the myths of entrepreneurship.

Link:

Visit Link: https://youtu.be/yePxJGwlKbo

See Class 10 Mathematics on DIKSHA at
https://diksha.gov.in/play/content/do_312795704618844160111633?referrer=utm_source%3Ddiksha_mobile%26utm_content%3Ddo_312796455240941568116824%26utm_campaign%3Dshare_content

Get DIKSHA app from:
https://play.google.com/store/apps/details?id=in.gov.diksha.app&referrer=utm_source%3Df692739567e6f2956a952258b4f4b33ade1761ca%26utm_campaign%3Dshare_app

For class X Mathematics, the given instructions must be followed..

Link for class X Mathematics :

1.Install "Diksha" app from Playstore.

2. Tap open after the app is installed.

3.Tap allow, to provide access to the following data to use the app at its best.

4. Open the app and login as student.

5. Select medium, class and subject.

6. Open the second chapter of mathematics (Chapter 2{a} - "Polynomials") in the link.

7. Go through the "explanation" content in the video tutorial.

8. In the same , there are few assignments given which you can solve as Long answers questions , short answers and multiple choice questions.

Note : Refer other videos for more detail study.

See Class 10 Mathematics on DIKSHA at
https://diksha.gov.in/play/content/do_31286221441710489614245?referrer=utm_source%3Ddiksha_mobile%26utm_content%3Ddo_312796455240941568116824%26utm_campaign%3Dshare_content

Get DIKSHA app from:
https://play.google.com/store/apps/details?id=in.gov.diksha.app&referrer=utm_source%3Df692739567e6f2956a952258b4f4b33ade1761ca%26utm_campaign%3Dshare_app

class X Mathematics, the given instructions must be followed..

Link for class X Mathematics :

1.Install "Diksha" app from Playstore.

2. Tap open after the app is installed.

3.Tap allow, to provide access to the following data to use the app at its best.

4. Open the app and login as student.

5. Select medium, class and subject.

6. Open the second chapter of mathematics (Chapter 2{b} - "Polynomials") in the link.

7. Go through the "explanation" content in the video tutorial.

8. In the same , there are few assignments given which you can solve as Long answers questions , short answers and multiple choice questions.

Note : Refer other videos for more detail study.

Session 2020-21

Class- X

Subject: Economics

Follow the Instructions given below:-

Here's the link to the file:

See Understanding Economic Development on DIKSHA at

Visit link:

https://diksha.gov.in/play/content/do_312862214805716992142571?referrer=utm_source%3Ddiksha_mobile%26utm_content%3Ddo_3127964553573908481182021%26utm_campaign%3Dshare_content

Get DIKSHA app from:

Visit link:

https://play.google.com/store/apps/details?id=in.gov.diksha.app&referrer=utm_source%3D20707c9f24072d832c562e29915577cc0f40d410%26utm_campaign%3Dshare_app

See Understanding Economic Development on DIKSHA at

Visit link:
https://diksha.gov.in/play/content/do_312795738317193216110833?referrer=utm_source%3Ddiksha_mobile%26utm_content%3Ddo_3127964553573908481182021%26utm_campaign%3Dshare_content

Get DIKSHA app from:

Visit link:
https://play.google.com/store/apps/details?id=in.gov.diksha.app&referrer=utm_source%3D20707c9f24072d832c562e29915577cc0f40d410%26utm_campaign%3Dshare_app

See Understanding Economic Development on DIKSHA at

Visit link:
https://diksha.gov.in/play/content/do_312952950505349120154?referrer=utm_source%3Ddiksha_mobile%26utm_content%3Ddo_312796455357390848118202%26utm_campaign%3Dshare_content

Get DIKSHA app from:

Visit link:
https://play.google.com/store/apps/details?id=in.gov.diksha.app&referrer=utm_source%3D20707c9f24072d832c562e29915577cc0f40d410%26utm_campaign%3Dshare_app

Instructions

Open Diksha App
Select class10 & Understanding Economics part 2
Select- - Sectors of Indian Economy
Select- - Explanation Content part 3 listen to the explanation carefully
Select- - Question Bank
Select- - short questions learn and do all questions

Last modified: 8:02 am

Session 2020-21

Class- X

Subject: Geography

Follow the Instructions given below:-

Here's the link to the file:

See Contemporary India II on DIKSHA at

Visit link:

https://diksha.gov.in/play/collection/do_3127964552892743681204467referrer=utm_source%3Ddiksha_mobile%26utm_content%3Ddo_312796455289274368120446%26utm_campaign%3Dshare_content

Get DIKSHA app from:

Visit link:

https://play.google.com/store/apps/details?id=in.gov.diksha.app&referrer=utm_source%3De6e24b0cf3cedeaf4802919f227aab1d49de3f31%26utm_campaign%3Dshare_app

Geography

Instructions for class 10th Geography -- chapter 2: Forest And Wildlife Resources.

1. Open Diksha app. Select class 10 geography chap.2 Forest and Wildlife Resources in India.
2. Go through the etextbook and make notes on different topics.
3. Tap open the explanation content Reading Material--- Forest and Wildlife.
4. Tap open the Question Bank of Long Answer, Short Answer, Very Short Answer and Multiple Choice Questions. Do them in your notebook.

Last modified: 14:45

Session 2020-21

Class- X

Subject: History

Follow the Instructions given below:-

Here's the link to the file:

See India And The Contemporary World II on DIKSHA at

Visit link:
https://diksha.gov.in/play/content/do_3127957381839503361120 85?referrer=utm_source%3Ddiksha_mobile%26utm_content%3Ddo_31279645532220620811 7933%26utm_campaign%3Dshare_content

Get DIKSHA app from:

Visit link:
https://play.google.com/store/apps/details?id=in.gov.diksha.app&referrer=utm_source%3D207 07c9f24072d832c562e29915577cc0f40d410%26utm_campaign%3Dshare_app

See India And The Contemporary World II on DIKSHA at

Visit link:

https://diksha.gov.in/play/content/do_31295292700145254412 9?referrer=utm_source%3Ddiksha_mobile%26utm_content%3Ddo_31279645532220620811 7933%26utm_campaign%3Dshare_content

Get DIKSHA app from:

Visit link:
https://play.google.com/store/apps/details?id=in.gov.diksha.app&referrer=utm_source%3D207 07c9f24072d832c562e29915577cc0f40d410%26utm_campaign%3Dshare_app

Instructions

Open Diksha App
Select class10 & The Contemporary world part 2
Select- - Rise of Nationalism in Europe
Select- - Explanation Content part as pdf listen to the explanation carefully
Select- - Question Bank
Select- - very short questions learn and do all questions

Last modified: 8:00 am

Session 2020-21

Class- X

Subject: Politics

Follow the Instructions given below:-

Here's the link to the file:

See Democratic Politics II on DIKSHA at

Visit link:
https://diksha.gov.in/play/content/do_3127957384946319361121111?referrer=utm_source%3Ddiksha_mobile%26utm_content%3Ddo_312796455298269184120485%26utm_campaign%3Dshare_content

Get DIKSHA app from:

Visit link:
https://play.google.com/store/apps/details?id=in.gov.diksha.app&referrer=utm_source%3D20707c9f24072d832c562e29915577cc0f40d410%26utm_campaign%3Dshare_app

See Democratic Politics II on DIKSHA at

Visit link:
https://diksha.gov.in/play/content/do_31283254966433382413242?referrer=utm_source%3Ddiksha_mobile%26utm_content%3Ddo_312796455298269184120485%26utm_campaign%3Dshare_content

Get DIKSHA app from:

Visit link:
https://play.google.com/store/apps/details?id=in.gov.diksha.app&referrer=utm_source%3D20707c9f24072d832c562e29915577cc0f40d410%26utm_campaign%3Dshare_app

Instructions

Open Diksha App
Select class10 & select Democratic Politics part 2
Select- - Federalism
Select- - Explanation Content video no:1 & listen to the explanation carefully
Select- - Question Bank
Select- - short answer type questions learn and do it
Very short do all

Last modified: 7:32 am

Session 2020-21

Class- X

Subject: English

Visit Link: https://youtu.be/X6xgsUhO6Q0

Open the link above & listen to the explanation of the story named " The Thief's Story" .

Open Diksha App

Select class10 & select First Flight

Select- - Dust of Snow

Select- - Explanation Content video no:1 & listen to the explanation carefully

Select- - Question Bank

Select- - Long Answer-Do ques. 1 & 2

MCQ- - Do all 5 ques.

Short Answer- - Do ques. 1 3 & 4

Very Short Answer- - Do ques.2 3 & 4

After listening to the explanation Open Diksha App. Select class10 & Footprints Without Feet

Select- -The Thief's Story

Select Long Answer & do ques. 1 & 2

Select Short Answer & do ques. 1 & 2